Zagdu Singh Charitable Trust's (Regd.)
THAKUR PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to the Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi)
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED
Near Thakur College Ground, Thakur Village, Western Express Highway,
Kandivali (E), Mumbai - 400 101. | Tel.: 022-66997711 / 66997722 | Telefax : 022-66997733
E-mail : tps@thakureducation.org | Website : www.thakureducation.org | www.tpsmumbai.in

HALF YEARLY EXAMINATION-2020-21

HINDI

(Three Hours)

Answer to this paper must be written on the paper separately.

You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Attempt **all** questions from **Section A** and any **four** questions from **Section B.**

The intended marks for questions or parts of a question are given in the brackets [ ]

Section A (40 Marks)

*Attempt **all** questions.*

Question 1:- *Write a short composition in **Hindi** in not less than **Two hundred And fifty (250)** words on any **one** of the following topics :-* [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग (२५०)शब्दों में निबंध लिखिए ः

१.आज पर्यावरण का सुधार नामक विषय पर प्रत्येक देश में चर्चा हो रही है|इस दृष्टि से भारत में पर्यावरण के संरक्षण के विषय में क्या किया जा सकता है?इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए |

२.आपके जीवन की प्रबल इच्छा क्या है?उसे पूरा करने के लिए आप क्या-क्या प्रयास करेंगे?स्पष्ट रूप में समझाइए|

३.आपने अनेक पुस्तकें पढ़ी होंगी|उनमें से कौन-सी पुस्तक सर्वप्रिय लगी?कारण भी स्पष्ट कीजिए |

४.'ईश्वर जो करता है,अच्छा ही करता है' - उक्ति को स्पष्ट करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए |

५.चित्र को आधार मानकर कहानी अथवा लेख लिखिए |

[**TPS-Std.10-Hindi-**First Terminal Examination-**17/10/2020**]

This paper consists of 6 printed pages.

Turn Over

.Question 2 *: - Write a letter in Hindi on any one of the topics given below : -*

किसी एक विषय पर लगभग (१२०)शब्दों में पत्र लिखिए: [7]

१.बिजली की चोरी के विरुद्ध कार्यवाही करने का आग्रह करते हुए किसी प्रसिद्ध समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

२.अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए कि वह खेलों में रुचि ले | साथ में उसको खेलों का महत्त्व और आवश्यकता भी विस्तार से बताइए |

Question 3

Read the passage given below carefully and answer in Hindi the questions that follow , using your own words as far as possible : -

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथा संभव अपने शब्दों में लिखें | [10]

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, "महाराज के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर ज़रूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक ज़रूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।" यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से ज़रूरतमंदों की भीड़ राजमहल में उंमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाज़े पर पहुँचे। द्वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच-पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, "भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।" बूढ़े सज्जन ने कहा, "असल में मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब ज़रूरतमंदों को मिल जाए।"

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, "मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मज़दूरी का पैसा दे सकता हूँ।" इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कन्धों पर ले ली और बूढ़े के पीछे-पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर के द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले — "बाबा, कहाँ चले गए थे ?" बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, "घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है ?" बूढ़ा बोला, "लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।" वह अजनबी बोला, "भाई जी धन्य हैं आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।"

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, "इनके सामने दंडवत प्रणाम करो।" और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, "आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।" "नहीं, यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फ़र्ज है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।"

(i) राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था ? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे और उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला ? [2]

(ii) राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों ? [2]

(iii) बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं ? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]

(iv) बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था ? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की ? [2]

(v) इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [2]

Question 4 Rewrite the following sentences as directed : -

निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः

१. किन्ही **दो शब्दों** के विलोम शब्द लिखिए ः [1]

१.आदि २.उर्वर ३.आज्ञा ४.आह्वान

२.निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा रुप लिखिएः [1]

१.वीर २. चतुर

३.किसी **एक शब्द** के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ः [1]

१.आम २.उपवन

४.निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए ः [1]

१.संकेत २.पुष्प

५.**किसी एक** मुहावरें की सहायता से वाक्य बनाइये ः [1]

१.अगर मगर करना २.कमर कसना

६.सूचनानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए ः

१.मेरा लक्ष एक सफल वैज्ञानिक बनना है |(रेखांकित शब्द के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

२.वह आया | (आसन्न भूतकाल में बदलिए) [1]

३.वर्षा होते ही मच्छर बढ़ गए | |(संयुक्त वाक्य में बदलिए) [1]

Section B (40 Marks)

Attempt four questions from this Section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य भाग (कहानियाँ)

Question 5

अनुच्छेदः "क्यों भई!क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है| "

(नेताजी का चश्मा....स्वयं प्रकाश)

१. वक्ता कौन है? उसका चरित्र-चित्रण कीजिए | [2]

२. वक्ता ने किससे प्रश्न किया?उसने उनके प्रश्नों का समाधान कैसे किया? [2]

३. नेताजी का चश्मा कौन बदलता था?उसका संक्षिप्त परिचय देते हुए बताए वह ऐसा क्यों करता था? [3]

४. कहानी का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट करें| [3]

Question 6

अनुच्छेदः "बड़े भोले हैं आप सरकार!अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से सुना है आदमी तक बदल जाते हैं|फिर ये तो सियार हैं |"

(भेड़ें और भेड़िए......हरिशंकर परसाई)

१.वक्ता कौन है?पाठ के आधार पर उनकी चारित्रिक विशेषता लिखिए | [2]

२.वक्ता ने भेड़िए का रूप किस प्रकार बदला ? [2]

३.यह कैसी कहानी है? बूढ़े सियार ने किन तीन बातों का ख्याल रखने को कहा? क्यों? [3]

४.सियारों को किन-किन रंगों में रँगा गया ?वे किसके प्रतीक थे?इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

Question 7

अनुच्छेदः "बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं | बिगड़ता हुआ काम बना लेती हैं |"

(बड़े घर की बेटी.........प्रेमचंद)

१. उपर्युक्त कथन किसके लिए कहा गया है?उसका संक्षिप्त परिचय दें| [2]

२.उसकी पुरानी तथा नई परिस्थितियों में क्या अंतर था? स्पष्ट करें | [2]

३.वक्ता कौन है? उन्होंने ऐसा क्यों कहा ? क्या आप उनके कथन से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दें | [3]

४.संयुक्त परिवार से आप क्या समझते हैं? क्या 'बड़े घर की बेटी' संयुक्त परिवार के आदर्श को प्रस्तुत करती है? पाठ के आधार पर समझाइए | [3]

पद्य भाग (कविता)

Question 8

पद्यांश ः "जीवन अपूर्ण लिए हुए,
पाता कभी,खोता कभी
आर्शा निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी|
गर्ति मति न हो अवरूद्ध,इसका ध्यान आठों याम है|
चलना हमारा काम है |

(चलना हमारा काम है......शिवमंगल सिंह 'सुमन')

१.जीवन को अपूर्ण क्यों कहा गया है? [2]

२.जीवन में सुर्ख दुख, आर्शा निराशा के प्रति हमारा क्या दृष्टिकोण होना चाहिए? [2]

३. 'गति-मति न हो अवरूद्ध'से कवि का क्या तात्पर्य है? [3]

४.कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखें | [3]

Question 9

पद्यांश "ऐसो को उदार जग माहीं |
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नहीं |
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी |
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ||

(विनय के पद......तुलसीदास)

१. कवि ने किन्हें उदार कहा है?क्यों ? [2]

२. ऋषि-मुनियों को भी क्या प्राप्त नहीं है? [2]

३. गीध तथा सबरी कौन हैं?वे किस गति को प्राप्त हुए?समझाकर लिखें [3]

४.शब्दार्थ लिखिएः १.जग २.द्रवै ३.सरिस ४.विराग ५.जिय ६.को [3]

Question 10

पद्यांश “काँकर पात्थर जोरि कै,मसजिद लई बनाय |
ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय ||
पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार |
ताते ये चाकी भली|पीस खाय संसार ||

(साखी.... कबीरदास)

१.‘क्या बहरा हुआ खुदाय’से कवि का क्या तात्पर्य है? [2]
२.मूर्ति पूजा पर कटाक्ष करते हुए कवि क्या कहना चाहते हैं?| [2]
३.कवि का जीवन तथा साहित्यिक परिचय दीजिए | [3]
४.शब्दार्थ लिखिएः १.काँकर, २.हरि, ३.पाहन, ४.चाकी, ५.पहार, ६.चढ़ि [3]

....